A-614

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVS-103

ग्रहनिर्माण विवेचन

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. दिशा के अनुसार राहुमुखपुच्छ स्थिति पर प्रकाश डालिये।

Q.2. मासादि विचार के मत्–मतान्तर का वर्णन कीजिये।

Q.3. गृहारम्भ निर्माण में विचारणीय विषय कौन–कौन से है, उनका उल्लेख कीजिये।

Q.4. कुम्भ चक्र जानने की शास्त्रीयविधि का वर्णन करें।

Q.5. गृहप्रवेश में लग्नशुद्धि का विचार क्यों आवश्यक है इसका उल्लेख कीजिये।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. खातारम्भ मुहूर्त को लिखिए।

Q.2. शिलान्यास किस प्रकार किया जाता है उसका परिचय दीजिये।

Q.3. गृहारम्भ में सप्तसकार योग क्या है उसके फल को लिखिए।

P.T.O.

Q.4. रसोई घर की आंतरिक संरचना के बारे में लिखिए।

Q.5. गृहनिर्माण में महर्षि नारद जी का कथन प्रतिपादित करें।

Q.6. वास्तुराजबल्लभ ग्रन्थानुसार नक्षत्र शुद्धि विचार को प्रतिपादित करें।

Q.7. पूर्वदिशा में द्वार फल को लिखिए।

Q.8. द्वारवेध फल क्या है? स्पष्ट कीजिये।

****